**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding fulfilling of promises by Government in Chattisgarh.

**श्री संतोष पान्डेय :** अध्यक्ष जी, मेरा केवल यही कहना है कि वहां जब सरकार चुनकर आई, उन्होंने तीन चार वायदे किए थे । छत्तीसगढ़ में उनके सभी नेता, प्रवक्ता बैठकर, गंगाजल लेकर कहते थे कि बिजली बिल हाफ करेंगे, कर्जा माफ करेंगे, मदिरालय बन्द करेंगे, किन्तु इन्होंने जो आरोप लगाया है, वह सरकार के ऊपर लगाया है कि मेरा के.सी.सी., इलाहाबाद बैंक, कुनकुरी का है । शासन से के.सी.सी. लोन माफ हो जाएगा, तब इसे बैंक से लाकर घर में दे देना । डॉक्टर साहब को लाकर मेरा पी.एम. करा देना । इस प्रकार से उन्होंने शासन को लिखा है । उन्होंने थानेदार और अपने मित्र को लिखा है कि मेरी पत्नी चंदाकर देविका की चंदा करके मदद करना । उन्होंने चंदा करके मदद की भी बात की है । मैं महोदय जी से निवेदन करता हूं कि 'बुभुक्षितः, किं न करोति पापं,' जब व्यक्ति परेशान होता है, भूखा होता है, तब इस प्रकार की घटना होती है । उनकी अपेक्षाएं बढ़ाई गईं, उनको लालच दिया गया, उनको सब्जबाग दिखाया गया ।

महोदय, मेरा निवेदन है कि आज उनकी सहायता भी की जाए और वह सरकार इस प्रकार की लालच और सब्जबाग दिखाना बंद करे ।...(व्यवधान) अगर किए हैं तो उसकी पूर्ति करे । यह मेरा निवेदन है ।

**माननीय अध्यक्ष:** कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री संतोष पांडेय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप बोलें, लेकिन मोबाईल चालू न करें । सदन में मोबाइल चालू नहीं होता है ।